



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 555] नई दिल्ली, वृहत्स्तिवार, विसम्बर 17, 1981/अग्रहायण 26, 1903  
No. 555] NEW DELHI, THURSDAY, DEC. 17, 1981/AGRAHAYANA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

गृह भवानीय

प्राधिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 17 विसम्बर, 1981

का०आ० 90१(अ) — जात्र आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 हारा प्रवर्त्तन  
प्रावितयों का प्रयोग वर्तने हाएं, केन्द्रीय गरकार, एनद्वारा, भारत सरकार, गृह भवानीय (कानूनिक  
और प्रकारानिक सुधार विभाग) की दिनांक 18 जून 1981 की अधिसूचना संख्या 375/11/81-  
ए०वी०डी०(IV) का०आ० 488(अ) (श्री एस०क०रे, जात्र आयोग से सम्बन्धित) में निम्न-  
लिखित संशोधन जाती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना के पैरा 1 में “5 महीने तक प्रतिधि के भीतर” अंकों और शब्दों के  
स्थान पर “10 जन 1982 का अवधारणा पर्यन्त” अक और शब्द रखे जाएंगे।

[का० न० 375/11/81-ए०वी०डी०(IV)]

पी० एन० अब्दी०, भारत, विधि

(1561)

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**  
**(Department of Personnel & AR)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th December, 1981

**S.O. 901(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) No. 375/11/81-AVD. IV [S.O 488(E)] dated the 18th June, 1981 (relating to the Commission of Inquiry consisting of Shri S. K. Ray), namely :—

In paragraph 4 of the said notification, for the words, "within a period of six months", the words, figures and letters "on or before the 30th day of June, 1982" shall be substituted.

{F. No. 375/11/81-AVD. IV}

**P. N. ABBI, Jt. Secy.**